प्रश्नपत्र -1 **शाध प्रावाध**

(क) शाध का पारभाषा एव स्वरूप

- पारभाषा, साहात्यक शाध का विशषताए, प्रकृात, अनुसंधान और आलोचना, शाध आर सत्यान्वषण, विषयगत आर विषयागत शाध, अनुलाधन्सु आर निदशक का क्षमता, शाध का महत्व।

(ख) शाध क प्रकार

- व्याख्यात्मक शाध, ऐतिहासिक शोध, तुलनात्मक शाध, क्षत्राय शाध, भाषातात्वक शाध

(ग) पाठ्यानुसधान का प्राक्रया

- पाठ –संपादन और पाठालोचन

(घ) शाध प्राक्रया

- विषय का चयन, शाध का रूपरेखा, शाध का पद्धात, सामग्रा सकलन, सामग्रा क स्त्रात, सामग्रा का प्रामाणकता, शाध काय क कम्प्युटर का उपयोग, शाध प्रबध का लखन

(ङ) आतावषयक शाध (Interdisciplinary Approach)

- समाजशास्त्राय, मनावज्ञानक तथा भाषावज्ञानक अध्ययन

- कुल 100 अंक 20 × 5 = 100

पाच युानट स पाच प्रश्न । आतारक विकल्प क साथ पूछ जायग।

वणनात्मक उत्तर का अपक्षा ह।

सदभ – ग्रथ

1.	साहात्यक अनुसधान क आयाम - डॉ. रवान्द्र कुमार जन	प्रकाशकः नशनल पाब्लाशग हाउस, नइ दल्ला – 11000
2.	अनुसधान का प्राक्रया - संपादक – सावत्रा सन्हा	प्रकाशकः नशनल पाब्लाशग हाउस, नइ दल्ला – 11000
3.	साहात्यक अनुसधान क प्रातमान - डॉ. देवराज (संपादक)	प्रकाशकः नशनल पाब्लाशग हाउस, नइ दल्ला – 11000
4.	शोध – प्रावाध - डॉ. वनयमाहन शमा	प्रकाशकः नशनल पाब्लाशग हाउस, नइ दल्ला – 11000
5.	हन्दा अनुसधान क आयाम - डॉ. म.ह. राजूरकर	प्रकाशकः नशनल पाब्लाशग हाउस, नइ दल्ला – 11000
6.	शाध प्रस्तुात - उमा पाण्डय	प्रकाशकः नशनल पाब्लाशग हाउस, नइ दल्ला – 11000
7	अनुसधानः स्वरूप एव प्रावाध - डॉ. रामगापाल शमा दनश	प्रकाशकः राजस्थान हन्दा ग्रथ अकादमी, जयपुर
8.	हन्दा अनुसधान डॉ. वजयपाल सह	प्रकाशकः लाकभारता प्रकाशन इलाहाबाद
9.	अनुसंधान – प्रावाध आर क्षत्र - डॉ. राजमल बोरा	प्रकाशकः राधाकृष्ण प्रकाशन नइ दल्ला
10.	रसच मथाडालाजा - वीरनु प्रकाश शमा	प्रकाशकः पचशाल प्रकाशन, जयपुर

प्रश्नपत्र -2 **हिन्दी लेखन और अभिव्यक्ति**

अंक – 100 समय – 3 घंटे

कोई – 1 **(अंक – 20)**

(1) हिन्दी वर्तनी के नियम।

(2) शब्दरचना –

समास, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेकार्थी, न्यूनतावाचक, पर्यायवाचक, विरूद्धार्थ।

(3) मुहावरे एवं कहावत।

कोई – 2 **(अंक – 60)**

(1) अहेवाल लेखन।

(2) पल्लवन।

(3) संक्षेपण।

(4) आवेदनपत्र / व्यावसायिक पत्र।

(5) पुस्तक अवलोकन।

(6) अनुवाद।

कोई – 3 **(अंक – 20)**

(1) कम्प्यूटर परिचय।

(2) इन्टरनेट का प्रयोग।

सदभ ग्रन्थ सूाच

(1) व्यावहाारक ाहन्दा - रामाकशार शमा।

(2) व्यवहाारक ाहन्दा व्याकरण तथा रचना - डॉ. हरदव बाहरा।

(3) प्रयाजनमूलक ाहन्दा – पारभााषक शब्दावला - डॉ. मधु धवन।

(4) प्रयाजनमूलक ाहन्दा - ावनाद गातर।

(5) सृजनात्मक साहत्य का अनुवाद - स्वरूप एव समस्याए – सुरेश सिंहल।

(6) प्रयाजनमूलक भाषा आर कायालया ाहन्दा - डॉ. कृष्णकुमार गास्वामा।

(7) ाहन्दा रूपरचना – भाग – 1, 2 - आचाय जयन्द्र ात्रवदा।

(8) मानक ाहन्दा व्याकरण आर रचना - डॉ. हारवश तरूण।

(9) व्यावहाारक ाहन्दा व्याकरण तथा रचना - डॉ. हरदव बाहरा।

(10) मानक ाहन्दा व्याकरण - डॉ. पृथ्वानाथ पाण्डय।

प्रश्नपत्र – 3   ाहन्दा साााहत्य आर समाक्षा

कोई – 1   ाहन्दा साााहत्य

(अ) आादकालान, भाक्तकालान तथा रातकालान ाहन्दा काव्य का प्रमुख प्रवृात्तया।

(आ) आधुानक ाहन्दा साााहत्य का प्रमुख ावधाआका उदभव आर ावकास।

(कावता, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध-आलोचना)

कोई – 2   समाक्षा

(अ) भारताय समाक्षा   (रस, अलंकार, राात, ध्वान, वक्राक्त)

(आ) पाश्चात्य समाक्षा   (ट्रजडा, काव्यभाषा, ाबम्ब, प्रताक, मिथक, फन्टसा)

(इ) मुख्य ावमश   (स्त्रा-ावमश, दलित-ावमश, अल्पसख्यक समुदाय ावमश, आादवासा ावमश)

ईकाई 1 से 50 अंक

2 ाविस्तृत प्रशन	2 × 5 = 30
20 वस्तुानष्ट लघुत्तरा प्रश्न	20 × 01 = 20
(ावकल्प चुनकर सहा उत्तर ालाखए)	**50**

ईकाई 2 से 50 अंक

2 ाविस्तृत प्रश्न	2 × 15 =30
20 वस्तुानष्ठ लघुत्तरा प्रश्न	20 × 1= 20
(ावकल्प चुनकर सहा उत्तर ालाखए)	**50**

क्ृ त म आंातक्र क्रपर हे गा ।

प्रश्नपत्र का समय 3 घंटे, कुल अंक 100

सदभ ग्रथ

1.	ह्द साहय क इ ति ह स	-	संपादक – नगे
2.	ह्द साहय क द् सरा ई ति ह स	-	बच्चन सिं ह
3.	ाहन्दा साािहत्य का इातहास	-	ावजयन्द्र स्नातक
4.	ाहन्दा उपन्यास का इातहास	-	गोपाल राय-
5.	ाहन्दा कहााना का इातहास	-	गोपाल राय
6.	पाश्चात्मक साािहत्य ाचतन	-	निमाला जै न – कुसुम बाँठ्या ँ
7.	पाा त्मक का यशा अधु ना तनसंदभ	-	सत्यदे व मि
8.	भारतीय एवम् पाा म क काव्यशा	-	डॉ. गणपतिचं गु
9.	ाहन्दा साािहत्य का प्रवृात्तपरक इातहास	-	डॉ. सभापति मि
10.	साािहत्यशास्त्र	-	डॉ. ओमका श गु
11.	स्त्रावादा साािहत्य ावमश	-	जगदर च्तु वद
12.	नारवा द वमश	-	राकेश कुमार
13.	दालत साािहत्य साािहात्यक आर सांकृ तिक न्नि ध	-	डॉ. रामसा द मि
14.	दालत साािहत्य का सादयशास्त्र	-	शरणकुमार लिबा ले
15.	वतु मि का यशा	-	बालेदु `शख तिा र
16.	ह्द साहय: वा	-	डॉ. शिवसा द शु ल
17.	काव्यशा	-	भगीरथ मि
18.	भारताय काव्यशास्त्र	-	डॉ. नगेन्द्र
19.	भारतीय काव्यशा का इति ह स	-	डॉ. बलदेव उपाया य